an>

Title: Need to develop Suchetgarh border on the lines of Wagha border to promote tourism and provide employment opportunities to the youth in Jammu and Kashmir.

श्री जुगल किशोर (जम्मू) : महोदया, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके धन्यवाद देता हूँ। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान जम्मू-कश्मीर में टूरिज्म क्षेत्र की ओर ले जाना चाहता हूँ। जम्मू-कश्मीर में टूरिज्म के नाते बहुत से ऐसे स्थान हैं, जिनको यदि डेवलप किया जाए, तो वहाँ के नौजवानों को रोजगार भी मिल सकता है और जो देश-विदेश से टूरिस्ट आते हैं, उनका मनोरंजन भी वहाँ पर होता है। पर्याप्त धनराशि न होने की वजह से ही ये स्थान इगनोर होते रहते हैं। जम्मू-कश्मीर एक ऐसा प्रदेश है, जो अपने पैर पर खड़ा नहीं है और वह केन्द्र पर ज्यादा निर्भर रहता है। विशेष तौर पर मैं गृह मंत्रालय का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूँ कि जो हमारा सुचेतगढ़ बार्डर है, जो आर.एस.पुरा तहसील में पड़ता है, वह ऑलरेडी टूरिज्म मैप में है। अगर यहाँ पर वाघा बार्डर की तर्ज पर बीएसएफ की परेड कराई जाए तो मुझे लगता है कि इसका बहुत बड़ा लाभ जम्मू-कश्मीर प्रदेश को, हमारे नौजवानों को और खास तौर पर जो टूरिस्ट देश-विदेश से आते हैं, उनको इसका लाभ मिलेगा। इससे बहुत अच्छा मैसेज जाएगा और भारत-पाक के रिश्ते भी अच्छे हो सकते हैं। टूरिज्म के नाते भी बहुत अच्छा मैसेज जाएगा और नौजवानों को रोजगार भी मिल सकता है। मेरी आपके माध्यम से यह गृह मंत्रालय से प्रार्थना है, शायद यह इनके विचाराधीन भी है, लेकिन अगर इस पर तुरन्त कार्रवाई करेंगे तो ठीक रहेगा। अगर यहाँ पर बीएसएफ की परेड शुरू कराते हैं तो इसका बहुत बड़ा जम्मू-कश्मीर को मिलेगा।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री जुगल किशोर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।